किसानों को बोनस

289. **श्री कैलाश नारायण सारंग :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 20 जून, 1992 के दैनिक ट्रिब्यून में "बोनस राइट्स टू व्हीट" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान किसानों द्वारा सरकारी एजेंसियों को प्रचुर मात्रा में गेहूं न बेचे जाने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पंजाब के मुख्य मंत्री ने केन्द्रीय सरकार को किसानों को एक और अधिलाभ देने का सुझाव दिया था; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, नहीं । 7 अप्रैल, 1992 को 25/–रु0 प्रति क्विंटल के केन्द्रीय बोनस की घोषणा करने के बाद भारतीय खाद्य निगम और राज्य की वसूली एजेन्सियों को गेहूं की बिक्री करने के लिए किसानों को और बोनस देने के संबंध में मुख्य मंत्री, पंजाब से कोई सुझाव प्राप्त नहीं हुआ ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Procurement of Foodgrains

290. SHRI RAJNI RANJAN SAHU:
SHRI SARADA MOHANTY:
SHRIMATI MIRA DAS:
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) the quantity of foodgrains Government propose to procure in the current season;

(b) whether the procured foodgrains would be sufficient to meet the domestic requirement;

(c) what was the procurement price per quintal for foodgrains;

(d) whether the prices were hiked at later stage, if so, the reasons therefor;

(e) whether Government propose to import three million tonnes of wheat; if so, the details thereof; and

(f) at what rates Government have procured wheat from domestic market and at what rate Government propose to import the same?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI TARUN GOGOI): (a) The quantum of procurement of foodgrains can not be estimated as wheat and paddy are procured only under price support operations on voluntary basis and rice is collected in the form of levy from millers depending on the quantum of paddy purchased by them. A quantity of 63.74 lakh tonnes of wheat and 101.61 lakh tonnes of rice have been procured upto 3.7.1992 in the respective current 1992-93 rabi and 1991-92 kharif marketing seasons.